



SHRI MOA SUBONG

Shri Moa Subong is a professional musician, music composer, actor, audio & video editor and an inventor of 2 musical instruments Bamhum & Tikzik.

2. Born on 8th September, 1960, Shri Moa's most noted accomplishment and contribution to the nation is his invention of a new wind Indian musical instrument called Bamhum, which was unveiled by the then Governor of Meghalaya, Shri M.M. Jacob on 3rd May 2005 at Shillong during the International Bamboo Festival and for which he also received the National Award from the then President of India Shri Pranab Mukherjee. Tikzik, the other musical instrument invented by him was unveiled by Shri Lipokmar Tzudir, Director NEZCC on 2nd May 2014. It is a new bamboo percussion that produces multiple sounds.

3. Shri Moa and his spouse Guru Arenla Subong formed a Naga Folk Fusion band called Abiogenesis. Together they have evolved a new form of Naga music called Howey music which is a fusion of Naga and other Indian folk with various forms of modern rhythms. Abiogenesis has performed in 8 countries: Finland, Estonia, Thailand, India, Russia, Bhutan, Tunisia & Myanmar including an exclusive performance for Bhutan's Royal family on 15th August 2011 at the Indian Embassy, Thimpu and to 160 Consul Generals at the Raj Bhawan, Mumbai on 16th November 2013. The band is empanelled by ICCR, NEZCC, Festival of India (ICR). He was selected in the Innovation Scholars In-Residence-Program (4th Batch) where he was one of the very privileged few to reside in Rashtrapati Bhavan w.e.f. 3rd March to 18th March 2017. He served as the Director of Music, Mokokchung District Art & Culture Council (MDACC) for 4 years - 1996 to 2000 and is a founding member of MDACC. He served as Vice President of Mokokchung District Table Tennis Association for 3 years - 1996 to 1999. He was inducted as Programme Committee Member of NEZCC for three years w.e.f. 27th July 2020.

4. Shri Moa has received a number of awards. He received National Award from the President of India on 4th March 2017 for his invention of the Bamhum at the Ninth National Grassroots Technological Innovations & Traditional Knowledge Awards. His Abiogenesis received the Governor's Award for Excellence in Music on 26th January 2017 at Raj Bhawan, Kohima. Abiogenesis received the Pride of North East Award from Global University, Guwahati on 7th February 2020. Shri Moa and Smt Arenla were awarded by the Deputy Commissioner for Mokokchung District on the occasion of Nagaland's Golden Jubilee Statehood in recognition of their excellence performances and innovative contributions to the district in the field of music.



श्री मोआ सुबोंग

श्री मोआ सुबोंग एक पेशेवर संगीतज्ञ, संगीतकार, अभिनेता, ऑडियो और वीडियो संपादक और दो वाद्ययंत्र बैमहम और टिकिजक के आविष्कारक हैं।

2. 8 सितम्बर, 1960 को जन्मे, श्री मोआ की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि और राष्ट्र के प्रति योगदान भारतीय सुषिर वाद्ययंत्र बैमहम नामक आविष्कार है। मेघालय के तत्कालीन राज्यपाल श्री एम.एम. जैकब ने 3 मई 2005 को शिलांग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बांस महोत्सव के दौरान इस वाद्ययंत्र का अनावरण किया था और इसके लिए, उन्हें भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी से राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ था। उनके द्वारा आविष्कृत एक अन्य वाद्ययंत्र टिकिजक का अनावरण 2 मई 2014 को एनईजेडसीसी के निदेशक श्री लिपोक्मर जुदिर द्वारा किया गया। यह बांस का एक नया ताल वाद्ययंत्र है जिससे अनेक ध्वनियां निकलती हैं।

3. श्री मोआ और उनकी पत्नी गुरु अरेनला सुबोंग ने अबियोजेनेसिस नामक एक नागा लोक फ्यूजन बैंड का निर्माण किया। उन्होंने मिलकर नागा संगीत का एक नया रूप भी तैयार किया है जिसे होवे संगीत कहा जाता है। यह आधुनिक लय के विभिन्न रूपों वाला नागा और अन्य भारतीय लोक संगीत का मिश्रण है। अबियोजेनेसिस ने 8 देशों फिनलैंड, एस्टोनिया, थाईलैंड, भारत, रूस, भूटान, ट्यूनीशिया और म्यांमार में प्रदर्शन किया है। इनमें 15 अगस्त, 2011 को, भूटान के राज परिवार के लिए थिम्पूस्थित भारतीय दूतावास में और 16 नवंबर 2013 को मुंबई राजभवन में 160 कॉन्सुल जनरलों के समक्ष विशेष प्रस्तुति शामिल है। बैंड को आईसीसीआर, एनईजेडसीसी, फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईसीआर) द्वारा सूचीबद्ध किया गया है। उन्हें इनोवेशन स्कॉलर्स इन-रेजिडेंस-प्रोग्राम (चौथे बैच) में चुना गया था, जिसके अंतर्गत वह 3 मार्च से 18 मार्च 2017 तक राष्ट्रपति भवन में रहने वाले बहुत विशेषाधिकार प्राप्त कुछ लोगों में से एक थे। उन्होंने 1996 से 2000 तक 4 वर्ष के लिए मोकोकचुंग जिला कला और संस्कृति परिषद (एमडीएसीसी) में संगीत निदेशक के रूप में कार्य किया और वह एमडीएसीसी के एक संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने 3 वर्ष यानी 1996 से 1999 तक मोकोकचुंग जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्हें 27 जुलाई 2020 से तीन वर्ष के लिए एनईजेडसीसी की कार्यक्रम समिति के सदस्य के तौर पर शामिल किया गया था।

4. श्री मोआ को कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्हें नवें नेशनल ग्रासरूट टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन एंड ट्रेडिशनल नॉलेज अवाडर्स में बैमहम के आविष्कार के लिए 4 मार्च 2017 को भारत के राष्ट्रपति से राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। उनके अबियोजेनेसिस को 26 जनवरी 2017 को राजभवन, कोहिमा में संगीत में उत्कृष्टता के लिए राज्यपाल का पुरस्कार मिला। अबियोजेनेसिस को 7 फरवरी 2020 को ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी का प्राइड ऑफ नॉर्थ ईस्ट अवार्ड मिला। श्री मोआ और श्रीमती अरेनला को नागालैंड राज्य के स्वर्ण जयंती स्थापना के अवसर पर मोकोकचुंग जिले के उपायुक्त द्वारा संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन और जिले में अभिनव योगदान के लिए सम्मानित किया गया।